

२० । वि.त्यी.रेग्ने.यश्चेय.र्ट्स. क्या. अक्षा । वि.त्यी.रेग्ने.यश्चेय.र्ट्स. क्या.यश्चेया

देव:इंश:श्रा:श्वायाश:श्रुवश:श्वीद:श्वायःव्याःश्वीद:श्वीयः द्य:श्वीत्रश्वायःश्वीत्रःयव्याःश्वीद:श्वीयःव्याःश्वीत्रः। द्वशःद्वशःश्वाःश्वीयशःश्रुवशः। द्वशःद्वशःश्वाःश्वीयशःश्रुवशः।

ब्रिस्स्युः म्यूः स्वास्यायाः स्वास्त्रः स्वास्त्यः स्वास्त्रः स्

ने हेश र्नेन्य नुष्य ग्री वशुर्म न शुन्दिष्य हु मु स्थय स्थित्य

क्र्याची स्वर्धात्म स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य

येत्रशः हेशः दः यात्रीयः गाः पश्चित्रः तः वृः वे। श्वाराः यः द्वाराः यः व ब्रग्रभः विरुप्तः सुः तुः यत् वार्यस्य वार्रियः विरुद्धः त्वीर्यः ग्रीः यत् वार्रेयः गश्रम्भा ने वश्यव्या स्वार स्वार स्वार व सुन्य से निय से किया निय से व ८८ कुषार्स भुः ख्रेरे पार्शियागा गार्शित्यामा प्रविता प्रो पश्चेत की गर्रेल'मि'ने'वर्नेन'गन्न'। त्रु'ग्रु'क्सस्य स्रान्गे'नस्रेन'न्न कुल'र्से भुः खृदे नार्शे वः गाः हे वः कृतः कना से दः नाशुर सः स्या देवे हे सः शुः वः र्शे.युड्कात्यः दर्गेवः यः स्रमा यहना देः यहीवः स्रुः कः श्रीः यः दर्गेवः यः स्रमाः नहना ने पर्नान्दरम् में के निवास कर पर्मा के निवास थिर न'यस'सेट'द्युग'यस'इसस'गेग्रास'सेट्'र्'य्युन'त्रुन'र'र्द्ये'यग' र्ये ग्रुट्य दे त्या नहेन न स्थान ने न स्थेन श्री महिन न स्थित न मिर् ग्री:वर्गार्नेरिशक्षात्र्यारे द्धंत कर साकर सावर्ति गात्र राये व डेश'ण्रभुनश'हे'न्देत'र्से'केश'ग्रश्रदश

ने निव्यक्त में निर्देश की त्यी मान क्षेत्र निर्देश मित्र क्षेत्र मान में स्था स्था में निर्देश में निर्देश में मित्र क्षेत्र मान में स्था में मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र में मित्र क्षेत्र मित्र मित्र क्षेत्र मित्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र

ब्रेस्य व्याप्तः भ्रम्य वित्तः वित्रः वित्तः वित्त

त्रेत् विना श्रे त्र्यश्च श्रेश विद्व श्रे त्रि त्या विन्य श्रे त्या स्था विन्य श्रे त्या विन्य विन्य श्रे त्या विन्य विन्य

याश्रम्य।

~ भुनशः हे । हा प्रमु : देव : वें : क्षे : यर्के मा : प्रा : प्रमु : प्रमु व : मी : भू र : या प्रव : वें अ : र न : सुव : क्र्यायात्रयायात्रपद्गे लुयायाये धूर्यायायाय सर्देर नसूयायया विर्वेश क्रियाया है वर्षेत्र हु नर्भु अ त्र अ श्रेट नर्भु अ शु नु अ तः दे हि । अ त्र दि गार अवर मी गार्र मुह मु थे मी गार् র্ছব:রমম:গ্রী:রম:ঘম:অম:र्हे:हे·ক্রুঅ:মর্কর:८८:५८हु·য়े:पম:৫९ম:८ঢ়ম:८ঢ়ৢ८ম:রম:ক্রুঅ:ক্রু: सर्वे: इस्रामित्रेश क्री: इस्राम्य इस्रमाने वा निस्त म्याने क्रीय निस्त माने स्वाप्त मिर्जे द क्षु तु अ तु र न क्किया देवा अ र वि या व अ र इस अ सिव र वें सकें वा व र व न व र व है । वी अ र वे र वा प्रव र यःसनःत्र्यः र्स्तुन्यः श्रुन् नः स्याः नश्रुः न्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्या यम्भा देशः सेदः से द्वारः वित्रः देः यवरः नसूत्रः नसूत्रः या सेत्रः प्रवे द्वारः प्रवे द्वारः या व त्रुश्रामदे: द्वो नदे: क: दुर: अक्रेश्राम: दे: पर: ० श्रुन्य हे: देव: र्वे क्रामहस्य शामा निवा विता यर प्रह्मा हेत्र गुत्र व्यव्य अर्कें तर्रा । शुर्मेदे प्रह्मा शर्पेर श्रः शुर् वे त्र श्राप्ता । श्रुर ८८. ह्रेयामाराष्ट्रायक्षेयातानुष्टाम् । विस्तातानुष्टाम् माराष्ट्रायमाराष्ट्री डेशरम्बुद्रादशुरः द्वेदः वर्डेवः वर्डवः रवः वाद्यसंभिरः द्वुवाः वेदिः व्रुवस्य द्वेदः द्वारः द्वेवारः र्हेग्रथःपः न्टः रेविः क्षेत्रायः ब्रुः हे ख़िरं ले 'छोरः इतः हेतः श्चरः (SMAH) नुः श्चरः विटः श्चेतः ন'ন্দীর্নি[[06.11.2024]



KHENCHEN THRANGU RINPOCHE

न। । ति. ५ सी. देमें न क्षेत्र. मी मूजाम न क्षेत्र. मा न खेमा मा मी

हैं नविश् कु: पर्या मुखि हैप्या किता विष्या । रिया पर्येष कुर्व मूर् है मिजा अक्ष्य खेया। व्राचर्षाःकुजातकरार्वेशाः भी अर्गान्या । यहीरा वृत्रान्या हरा हिरा महिरा या हे वार् स्टि-र्टा । नर्च क्या उट्टे लूच हुंच सेट में अकूरा अकूरा । ब्रिट वियोग ट्रिंग गर्म रा नभर क्रिम् वेश हिना है. में नाषुव अमूव श्वेनश र्ड्र म्यूचा मा कुश रिया रेट छेम उष्ट्र योव ज्मा.श्रीर. तर आहूरी डि.चालमा वुजर्गर गर हैन कुर्व उहुवाश रिट. रेटा वि. मूर्व वुव तुर प्री.नर्टर-ट्रेचान्, सूचाना । अ.कूचान है.उतिजउर्ट्रर-र्धिय नबैय व.लुना । यर मु.त्रेचान. बैट.त.र्ज.क्ष्मण.ज.उप्पण । निर्व.र्ज्य.वृट्जक्ट्रे.अर्च्य.पर्वेट.वी । वैप.पर्वेट. नर्षेत्रात्री, देर. कुराई. उर्दूर्। रिमा उर्देश है. देर. उर्वे व्रूप. उर्वे म. त. मुना । वार्य त्र म. वार्वे. र्टा शि.मुंद्र उहुमान त.मूरम शि. वया करा। जिर र्टर हुमान तद्र प्रेय त. हुया ही। उनुगार्धर में यात्र तुव यया उची पान महूरी | द्रथाता उर्दे श्रीमञ्जातमा उर्देशारी ता प्रीय द्ररावर्षेचीयार्ययात्राचयात्रहेचायुर्वायाचायराच अञ्चयार्टरा चीयताचिचाताचायुर्वाच सूर्वाचरूपाद्वीय प्रचयात्रीरा तर. १व. त्याप द्वा तसे द्या में त्या में तथा हुव. त्या-विशामर हुत द्या वहेव ता तर्थ वरा तसे वर्ष ह्या था पर्ट. उर्ट. है जुरु ००४) पूर है ... कूरार धेरी हि. उसी है महार तर सिराय जाया

- THRANGU TASHI CHOLING
- NAMO BUDDHA MEDITATION & **EDUCATION CENTRE**
- TARA ABBEY NUNNERY G. P. O. Box # 1287, Boudha Kathmandu, Nepal Tel: 447.0028 Fax: 447.0763 Website: www.rinpoche.com

E-mail: thrangurinpoche2002@yahoo.com

- **VAJRA VIDYA INSTITUTE** Sa. 13/70-4-GA, 4 Khajoohe Sarnath-221007, Varanasi (U.P.) India Tel : 542. 2585 944, 2587 236 Fax: 542. 2585 5463
- THRANGU MONASTERY, CANADA 2505 Wallace Crescent, Vancouver, BC V6R 3V3 Canada Tel: 604.228.1168
- THRANGU MONASTERY (Kham-East Tibet) Jejydi (Province of Qing Hai) 815000, Tibet, R.O.C. Tel: 976, 823 390
- VAJRA VIDYA RETREAT CENTRE COLORADO P.O. Box 1083 Crestone CO USA 81131 Tel: 719.256.5539